Patna

Nearest Airport: Patna/3Kms
Nearest Railway Station: Patna/1Kms

Name: Kautilya Vihar, Beer Chand Patel Path, Patna-1.
Phone: 0612-2225411, 2210219, 2210242
Fax: 0612-2236218.

RAJGIR

Nearest Airport: Patna/114 Kms
Nearest Railway Station: Rajgir/3Kms

Name: Tathagat Vihar, Rajgir.
Telephone: 06112-255176.

Name: Ajatshatru Vihar, Rajgir-803 152.
Telephone: 06112-255027.

Name: Gautam Vihar, Rajgir-803 152.
Telephone: 06112-255273

BODHGAYA

Nearest Airport: Bodhgaya/ 7 Kms/Patna/90km
Nearest Railway Station: Gaya/17Kms

Name: Siddharth Vihar, Bodhgaya, Gaya-824 231.
Telephone: 0631-2200445, 2200127

Name: Buddha Vihar, Bodhgaya, Gaya-824 231.

WEST CHAMPARAN (VALMIKI NAGAR)

Nearest Railway Station: Valmiki Nagar Road/10Km
Nearest Airport: Patna/260Km

Name: Hotel Valmiki Vihar, Valmiki Nagar,
West Champaran.
Telephone: 06251-256504.
Telephone: 0631-2200445, 2200127

VAISHALI

Nearest Airport: Patna/70Km
Nearest Railway Station:
Muzaffarpur/40Kms/Hajipur/5km

Name: Ambapali Vihar, Vaishali-844 128.
Phone 06225-285425.

Name: Youth Hostel

blissful bihar
BIHAR TOURISM

Department of Tourism, Government of Bihar
Barrack no. 9D, Old Secretariat, Patna 800 015 Bihar, India
Telephone: +91 612 221 7163 | Fax: +91 612 221 5291.
Email: directortourismbihar@gmail.com

Concept, Designed & Printed By: AAMATYA Media Info Pvt.
Address : Mumbai-Emrald 1, 1404, Royal Palms, Aarey Colony, mumbai-400 063, Maharastra.
Call: +91 9234460600 | www.aamatya.in

LANGUAGE HINDI

बुद्ध सर्किट

इतिपि सो भगवा अरहं सम्मासम्बुद्धो विज्जाचरणसम्पन्नो सुगतो
लोक विदू अनुत्तर पुरिसदम्मसारथी सत्था देवमनुस्सानं बुद्धो भगवा ति।

बिहार

यह बुद्ध की धरती है, जहां उन्होंने अपने महत्वपूर्ण सवालों के जवाब जानने के लिए जीवन की यात्रा शुरू की थी और इसी सफर में उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई। बुद्ध के चरणों के पवित्र पद्चिन्ह यहां के कई अहम स्थानों पर आज भी मौजूद हैं। इन्हीं स्थानों को शामिल करके बौद्ध सर्किट बनाया गया है।

पश्चिम चम्पारण

बुद्ध ने युवराज सिद्धार्थ के तौर पर उत्तरी क्षेत्र में मौजूद अपने पिता का साम्राज्य और तमाम राजशाही ऐशो-आराम छोड़कर इसी क्षेत्र में मौजूद अनोमा नदी के तट पर अपने बाल को मुंडवाया था। इस क्षेत्र में मौजूद ऐतिहासिक अशोक स्तंभ भारत की ऐतिहासिक सौर्य गाथा का गुणगान करते दिखते हैं। इसी अशोक स्तंभ में मौजूद शेर के चिन्ह और चक्र को भारत के राष्ट्रीय चिन्ह के रूप में अपनाया गया है। अशोक ने इस स्तंभ का निर्माण बुद्ध के पवित्र पद्चिन्ह के रूप में करवाया था। ताकि बुद्ध के आध्यात्मिक विचारों को दूर-दूर तक फैलाया जा सके।

पर्यटन स्थल

- अशोक स्तंभ, लौरिया, नंदनगढ़
- बुद्ध स्तूप, लौरिया, नंदनगढ़
- अशोक स्तंभ, रामपुरवा
- हारबोरा नदी (प्राचीन नाम अनोमा नदी)
- हेतूकुंवर में पाशान काल की गुफाएं
- वाल्मिकीनगर
- सहोदरा स्थान

भागलपुर

विक्रमशिला के प्रसिद्ध प्राचीन विश्वविद्यालय प्राचीन समय में विद्वान बुद्ध स्टडीज पढ़ने आया करते थे। वर्तमान में यहां इस विश्वविद्यालय के अवशेष स्थल मौजूद हैं। पास ही एक संग्रहालय भी स्थित है, जिसमें ऐतिहासिक स्थापत्य कला के कई नमूनों के साथ-साथ कई कलाकृतियां मौजूद हैं। भारतीय इतिहास की यशकृति को देखने और नजदीक से समझने का यह बेहद ही शानदार स्थल है।

पर्यटन स्थल

- विक्रमशिला विश्वविद्यालय के अवशेष

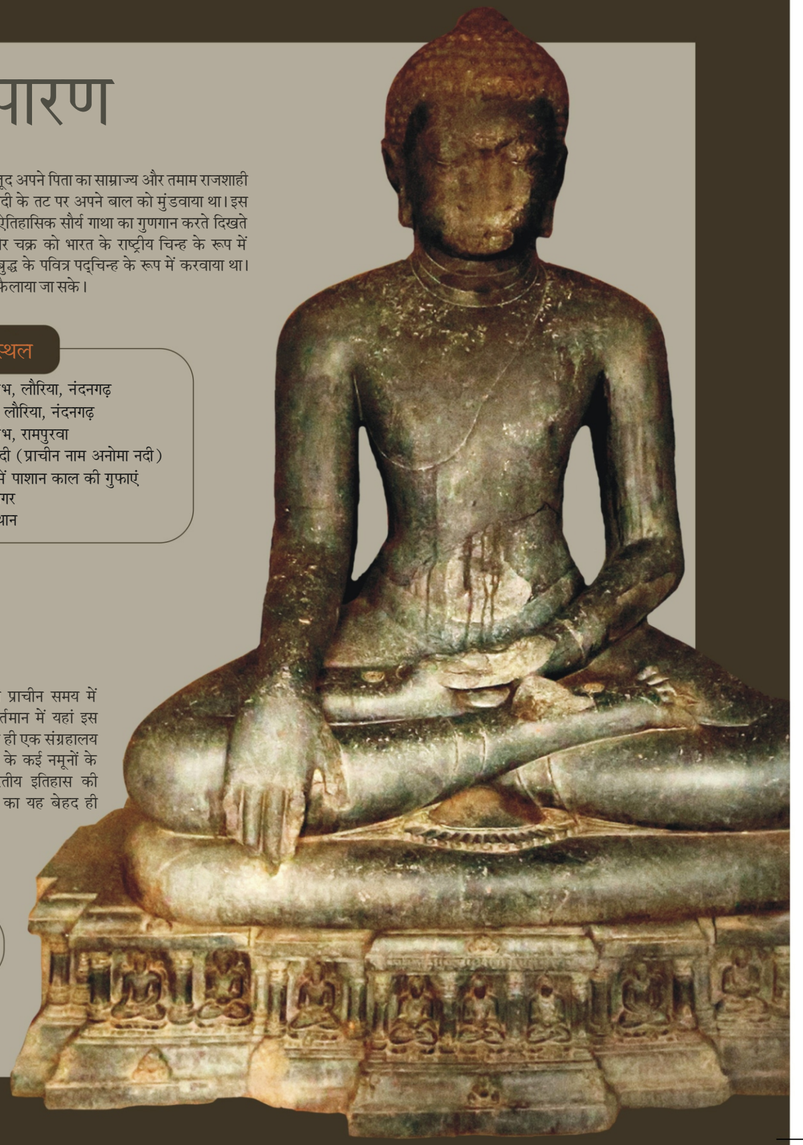

राजगीर

ऐतिहासिक शहर राजगीर का अस्तित्व बुद्ध काल के काल से भी पहले का मिलता है। उस समय यह स्थान मगध की राजधानी हुआ करती थी। यह शहर पत्थर की बनी दिवारों से घिरा हुआ था, जिसके अवशेष इस शहर के चारो तरफ आज भी देखने को मिलते हैं। प्राकृतिक रूप से भी यह स्थल पांच पहाड़ियों से घिरा हुआ है। इन पहाड़ियों में मौजूद गुफाओं के बारे में कहा जाता है कि ये बुद्ध के बेहद प्रसिद्ध ध्यान स्थलों में शामिल हुआ करते थे। इन कारणों से यह स्थान बौद्धों के लिए बेहद ही खास महत्व रखता है। राजगीर नालंदा जिला में मौजूद है।

पर्यटन स्थल

- विश्व शांति स्तूप
- गिद्धकूट हिल
- मनियार मठ
- आम्रवन (जीवक आम्र विहार)
- पिपला गुफा
- बिंबिसार मार्ग
- रथ के पहियों के निशान और शंख लिपि
- पौराणिक राजगीर की प्राचीन दिवारे
- अजातशत्रु का किला और बिंबिसार की जेल

पूर्वी चम्पारण

महान चक्रवर्ती सम्राट अशोक का बनवाया हुआ विशाल अशोक स्तंभ यहां मौजूद है। यह बुद्ध की इस स्थान शुरू की गई आध्यात्मिक यात्रा की निशानी के रूप में बयां करता है। बुद्ध यहां अपने पहले आध्यात्मिक गुरु अलारा कलमा की कुटिया में कुछ देर के लिए रूके थे, जो अनोमा नामक नदी के किनारे बनी हुई थी। वर्तमान में इस नदी को हारबोरा के नाम से जाना जाता है। यहीं के केसरिया क्षेत्र में सबसे ऊंचा बौद्ध स्तूप मौजूद है। यह जिला बिहार के उत्तरी छोर पर अवस्थित है। साथ ही यह नेपाल की सीमा और हिमालय के करीब है।

पर्यटन स्थल

- बौद्ध स्तूप, केसरिया
- अशोक स्तंभ, लौरिया, अरेराज

वैशाली

यह स्थान बुद्ध के बेहद पसंदिदा स्थलों में एक है। इस शहर में बुद्ध से जुड़े अनगिनत प्रमुख स्थान मौजूद हैं। यह स्थान विश्व के पहल गणतंत्र के रूप में भी खासा प्रसिद्ध है। उस समय की बेहद प्रसिद्ध नगर-वधु अम्रपाली यही की थी, जो बाद में बुद्ध की शिष्या बन गई। इसके पीछे यह कहानी प्रचलित है कि एक बार उसके निमंत्रण को स्वीकार कर बुद्ध उसके घर भोजन करने पहुंचे। बुद्ध के साथ उस दिन भोजन करने के बाद वह उनकी सदा के लिए अनुयायी बन गई। उसने अपने आम के वृक्षों को बौद्ध भिक्षुओं को दान कर दिए। अम्रपाली की याद में वैशाली में एक स्तूप बना हुआ है। यह अन्य प्रमुख पर्यटकीय आकर्षणों में विश्व शांति स्तूप मौजूद है। इसे जापान के निचहिरेन बनवाया था, वे निप्पोनजेन-मियोहोजि बौद्ध पंथ से ताल्लुक रखते थे। यहां के चकरमदास गांव में अशोक स्तूप स्थित है। इसके अलावा कोल्हूआ स्तूप भी है, जो बुद्ध के शीर्ष शिष्य आनंद की याद में बनवाया गया है।

पर्यटन स्थल

- बौद्ध महत्व के स्थल (लिछवी स्तूप)
- विश्व शांति स्तूप
- अभिषेक पुष्करणी
- अशोक स्तंभ और कोल्हूआ स्तूप
- अम्रपाली स्तूप (वर्तमान में यह पीर का मजार के नाम से जाना जाता है)
- चक्रमदास स्तूप- आनंद की याद में बनवाया गया
- विमल कीर्ति सरोवर
- चेचर गांव
- वैशाली पुरातात्विक संग्रहालय
- चेचर संग्रहालय
- राजा विशाल किला

पटना

बिहार की राजधानी, जिसे प्राचीन काल में पाटलीपुत्रा के नाम से जाना जाता था। हजारों साल पहले भारत का स्वर्ण युग कहे जाने वाले मगध साम्राज्य के दौरान यह स्थान इसकी राजधानी हुआ करती थी। आज यह स्थान जैन और बुद्ध सर्किट का गेट वे कहलाता है।

पर्यटन स्थल

- पटना संग्राहालय
- बुद्ध स्मृति पार्क
- कुम्हरार

Abhishek Pushkarni Lake, Vaishali

बोधगया

यहां मौजूद विश्व प्रसिद्ध बोधी वृक्ष के नीचे ही बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। यह दुनिया भर के पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केन्द्र बना हुआ है। इस पवित्र वृक्ष के पीछे ही महाबोधि मंदिर बना हुआ है, जिसे यूनेस्को ने 2002 से ही विश्व के ऐतिहासिक धरोहरों में शामिल कर रखा है। यहां कई देशों के बनवाए हुए बेहद खूबसूरत बौद्ध मठ मौजूद हैं। सभी मठों अपनी बेहद विशिष्ट शैली, साजो-सज्जा और आकर्षक कलाकृतियों के लिए पहचाने जाते हैं। बोधगया में कई धार्मिक संस्कृतियों की झलक देखने को मिलती है।

पर्यटन स्थल

- महाबोधि वृक्ष
- महाबोधि मंदिर
- श्री महाबोधि महाविहार
- बौद्ध मठ
- बर्मा मंदिर
- जापान मंदिर
- चीन मंदिर
- तिब्बत मंदिर
- थाईलैंड मंदिर
- भुटान मंदिर
- अशोक स्तंभ
- सुजाता गढ़
- बोधगया पुरातात्विक संग्रहालय

गया

बुद्ध अपने सत्य की खोज के दौरान ही पहली बार गया आए थे। उन्होंने यहां मौजूद डुंगेश्वरी पहाड़ी की गुफाओं में कई वर्षों तक भूखे रहकर तपस्या की थी। कौआडोल एक अन्य बेहद प्रमुख आकर्षक स्थल है। यहां कई बौद्ध मठ और बुद्ध की कलाकृतियां मौजूद हैं। पहाड़ की तलहट्टी में पत्थरों पर भी कई कलाकृतियां बनी हुई हैं। यहां बहने वाली फल्गू नदी एक असधारण स्थल है, जहां रेत के नीचे पानी का बहाव होता है। बाहर से देखने पर इस नदी में पानी बिलकुल भी नहीं दिखता है। हिन्दू तीर्थयात्रियों के लिए यह बेहद ही महत्वपूर्ण अनुष्ठान स्थल है।

पर्यटन स्थल

- कौआडोल में मौजूद पत्थर की कलाकृति
- डुंगेश्वरी पहाड़
- ब्रम्हयोनी पहाड़
- गया संग्राहालय

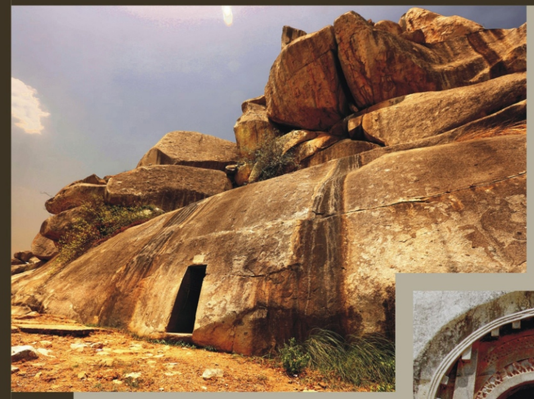

जहानाबाद

यह जिला राजधानी पटना के दक्षिणी छोर पर स्थित है। यहां पर्यटकों के आकर्षण के लिए बराबर नामक खास स्थल है। यहां पत्थरों को काटकर गुफाएं बनी हुई हैं, जिनके पत्थरों को इतनी खूबसूरती से तराशा गया है कि वे शीशे की तरह चमकते हैं। यहां अशोक ने बौद्ध भिक्षुओं के लिए पांच गुफाएं बनवाई थीं। यहां की पहाड़ी ढलानों पर दूर तक फैली हरियाली किसी को अपनी तरफ आकर्षित कर सकते हैं।

- सतगर्वा
  - बराबर गुफाएं
    - कर्णा चौपर
    - सुदामा गुफाएं
    - लामाश्री (लोमस ऋषि) गुफा
    - विश्वामित्र (विश्वा झोपड़ी) गुफा
  - नागार्जुन गुफाएं
    - गोपी गुफा
    - वहायक गुफा
    - विदांतिका गुफा
- प्राकृतिक झरना और झील, पातालगंगा
- बुद्ध की छवि, बनवरिया, बराबर के नजदीक
- लट स्तंभ और टीला, लट गांव

नालंदा

नालंदा, वह स्थान जहां विश्व के पहले अंतरराष्ट्रीय आवासीय विश्वविद्यालय के अवशेष मौजूद हैं। यह स्थान आज भी मंत्रमुग्ध करता है। चीनी विद्वान और यात्री जुआनजैंग यहां आए थे और पांच वर्षों तक रहकर बौद्ध की शिक्षा ग्रहण की थी। उनकी लिखी पांडुलिपियों में इस स्थान के वैभव और ख्याति प्राप्त ज्ञान केन्द्र के रूप में मिलती है। पटना के दक्षिण में पटना जिला मौजूद है। इस क्षेत्र में मौजूद अन्य पर्यटन स्थलों में जुआनजैंग स्मृति हॉल, गिरियक स्तूप, पार्वती समेत अन्य मौजूद हैं।

पर्यटन स्थल

- नालंदा विश्वविद्यालय के अवशेष
- नालंदा संग्रहालय
- ह्वेन-शांग स्मृति हॉल
- जुआफरदीह
- सारीचक
- मुस्तफापुर
- नव नालंदा महाविहार